(ग) शिक्षित व्यक्ति का आवश्यक गुण किसे समझा जाता है।

(घ) शिक्षित व्यक्ति कैसा व्यवहार करता है ?

(ङ) 'स्व' से क्या तात्पर्य है

***

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **4096** **I**

Unique Paper Code : 2051002004

Name of the Paper : Ability Enhancement Course Hindi (AECs) D

Name of the Course : **Common Program Group AEC**

Semester : IV

Time : 2 Hours ***Maximum Marks : 60***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) **All** questions are compulsory.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. Write about any **one** of the following. 10

निम्नलिखित में से किसी **एक** के बारे में लिखिए।

अक्षर धाम मन्दिर, लाल किला, जामा मस्जिद

2. Write about any **one** of the following Indian dishes : 10

निम्नलिखित में से किसी **एक** भारतीय व्यंजन के बारे में लिखिए :

लिट्टी-चोखा, खीर, आलू कचौरी

3. Describe any **one** : 10

किसी **एक** का वर्णन कीजिए :

होली, साड़ी, कुर्त्ता - पायजामा, स्वतन्त्रता - दिवस

4. Write a dialogue on any **one** topic. 10

किसी **एक** विषय पर संवाद लिखिए।

नायक-नायिका का संवाद (किसी भी हिन्दी फिल्म के आधार पर)

पिता-पुत्री का संवाद (किसी भी हिन्दी नाटक के आधार पर)

गुरू - शिष्य का संवाद (किसी भी एक नाटक के आधार पर)

OR

अथवा

Write a letter 10

पत्र लिखिए

मित्र की सरकारी नौकरी में उच्च पद प्राप्त होने पर बधाई देते हुए पत्र लिखिए।

5. किसी एक का आँखों देखा वर्णन कीजिए। 10

रेल-दुर्घटना, रेगिस्तान, मेला

6. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिये। 2×5=10

शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य की सभी क्षमताओं का विकास करना है जिसके अंतर्गत शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और नैतिक क्षमताएं सम्मिलित हैं। शिक्षित व्यक्ति अपने शारीरिक विकास का ध्यान रखता है जिसमें वह अपने कर्तव्य का सम्यक परिपालन कर सके। बौद्धिक विकास से अभिप्राय केवल यह नहीं है कि शिक्षित व्यक्ति कुछ तथ्यों को जान लेता है बल्कि यह है कि वह जीवन के सभी क्षेत्रों में ऐसा व्यवहार करता है जो बुद्धि - विरोधी न हो। साहित्य और ललित कलाओं में प्रति अनुराग और उनके स्वर की पहचान को भी शिक्षित व्यक्ति का एक आवश्यक गुण समझा जाता है। उसका "स्व 'विस्तृत होता है क्योंकि वह स्वहित से अधिक महत्व परहित को देता है और देशहित के आगे सब कुछ न्योछावर कर सकता है। केवल साक्षर होना, पढ़ - लिख लेना शिक्षित होना नहीं है। यदि हम विनम्र हैं, उदार और सहनशील नहीं हैं, देश और समाज को सर्वोपरि नहीं मानते तो हम डिग्रीधारी भले ही हों, शिक्षित कदापि नहीं है।

(क) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक बताइए।

(ख) मनुष्य की सभी क्षमताओं का विकास कौन करता है ?